BSES

तीन बड़े आटा ब्रांडों पर बीएसईएस का छापा

232 किलोवॉट बिजली की चोरी पकड़ी, 1.16 करोड का जुर्माना

- बड़े फ्लोर मिल्स में बिजली खपत पर किए गए सर्वे से खुली बिजली चोरी की पोल
- दीप आटा, मंत्री भोग आटा और दादा आटा मिल्स बिजली चोरी में बुक

नई दिल्ली, **18** जनवरी, **2007**। होटलों, अस्पतालों, डीटीसी बस स्टैंडों, रेजिडेंशल अपार्टमेंट्स, बंगले, कुष्ठ आश्रम और पेट्रोल पंपों पर हजारों किलोवॉट की बिजली चोरी पकड़ने के बाद, अब बीएसईएस ने तीन बड़े आटा ब्रांडों को भारी पैमाने पर बिजली चोरी करते हुए रंगे हाथों पकड़ा है। दरअसल, बीएसईएस इन दिनों एक नई तकनीक के सहारे यह अध्ययन कर रही है कि बड़े फ्लोर मिल्स में बिजली की खपत का पैटर्न क्या है। इसी अध्ययन के आधार पर ये फ्लोर मिल्स, एन्फोर्समेंट टीम की पकड़ में आए हैं। जानकारों के मुताबिक, राजधानी में ऐसे **100** से भी अधिक फ्लोर मिल्स हैं।

बीएसईएस राजधानी की एन्फोर्समेंट टीम ने नजफगढ़ इलाके में स्थित तीन बड़े आटा ब्रांडों पर छापा मारा और वहां कुल **232** किलोवॉट की बिजली चोरी पकड़ी। दादा ब्रांड आटा के निर्माता मेसर्स एमके फ्लोर मिल्स पर छापा मार कर **73. 26** किलोवॉट बिजली की पकड़ी, जबकि मंत्री भोग आटा बनाने वाले मेसर्स एसजी फ्लोर मिल्स में **85** किलोवॉट बिजली चोरी पकड़ी गई। वहीं, दीप आटा के निर्माता मेसर्स एसके फ्लोर मिल्स में छापेमारी के दौरान **74** किलोवॉट बिजली की चोरी पकड़ी गई।

मेसर्स एमके फ्लोर मिल्स पर **43.64** लाख रूपये का जुर्माना यिका गया, जबकि मेसर्स एसजी फ्लोर मिल्स पर **25. 79** लाख रूपये का, और मेसर्स एसके फ्लोर मिल्स पर **47. 2** लाख रूपये का जुर्माना किया गया। भारतीय बिजली कानून के तहत इन कंपनियों पर ये जुर्माने किए गए हैं।

इस बीच, मेसर्स एमके फ्लोर मिल्स ने **10** लाख रूपये का भुगतान कर दिया है। बीएसईएस के एक अधिकारी के मुताबिक, ये फ्लोर मिल्स दूसरे बडे व नामी आटा ब्रांडों के लिए भी काम करती हैं।

दरअसल, बीएसईएस ने अपने बड़े उपभोक्ताओं के मीटरों को एक नई तकनीक ऑटोमैटिक मीटर रीडिंग (एएमआर) से जोड़ दिया है। इस तकनीक के तहत न सिर्फ एक कंट्रोल रूम में, सुपर कंप्यूटर पर मीटरों की रीडिंग ली जा सकती है, बल्कि यह भी पता लगाया जा सकता है कि किसी ने अपने मीटर के साथ छेड़छाड़ तो नहीं की है। हलांकि इन मामलों में मीटर के साथ छेड़छाड़ कर नहीं की गई थी, बल्कि बीएसईएस की तारों पर कंटिया डालकर बिजली की सीधी चोरी की जा रही थी।

मेसर्स एसके फ्लोर मिल्स वाले तो काफी चालाकी के साथ समानांतर बिजली कनेक्शन के सहारे बिजली की चोरी कर रहे थे। वे पास से गुजर रही बीएसईएस तार पर कंटिया डालकर बिजली तो ले रहे थे, लेकिन मिल के अंदर तारों को उन्होंने आटे की बोरियों से पूरी तरह से दबा दिया था। इस वजह से एन्फोर्समेंट टीम को यहां बिजली चोरी पकड़ने में खासी मशक्कत करनी पड़ी। लेकिन बाद में, हमारी नई तकनीक– लाइव केबल डिटेक्टर– से यह पता चल गया कि छिपाई गई तारें कहां हैं, कहां से आ रही हैं और कहां तक जा रही हैं।

एक बीएसईएस अधिकारी के अनुसार, बिजली चोरी करके, फ्लोर मिल मालिक **50** किलो की हर बोरी पर **10** रूपये से भी ज्यादा की बचत करते हैं। और इस तरह के एक मिल में प्रतिदिन सैकड़ों बोरी आटा तैयार होता है। सिर्फ बिजली चोरी करके वे कितने पैसे बना रहे हैं और बिजली कंपनियों को कितना चूना लग रहा है, इस बात का अंदाजा लगाया जा सकता है।

बीएसईएस प्रवक्ता का कहना है कि **35** किलोवॉट से अधिक बिजली खपत करने वाले उपभोक्ताओं को फिलहाल ऑटोमैटिक मीटर रीडिंग (एएमआर) से जोड़ा गया है। उन्होंने उम्मीद जताई कि यह तकनीक आने वाले दिनों में बिजली चोरी को पकड़ने में और मददगार साबित होगी।

दिल्ली की प्रमुख बिजली वितरण कंपनी बीएसईएस अपने उपभोक्ताओं को गुणवत्तायुक्त बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें: प्रशान्त दुआ चंद्र पी कामत